भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 924
गुरुवार, दिनांक 27 जून, 2019 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>सौर ऊर्जा संयंत्रों की संस्थापना</u>

924. श्री हनुमान बैनिवालः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राजस्थान की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए नए सौर ऊर्जा संयंत्रों को संस्थापित करने हेतु केन्द्र सरकार की नीतियों और योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या केन्द्र सरकार आम जन के घरों में सौर ऊर्जा आधारित विद्युत के इस्तेमाल को बढ़ावा देने हेतु कोई विशेष कार्यक्रम अथवा नीति लाने पर विचार कर रही है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री आर. के. सिंह)

(क) केन्द्र सरकार ने राजस्थान सहित देश में विद्युत उत्पादन के लिए नए सौर संयंत्रों की संस्थापना करने के लिए विभिन्न योजनाएं आरंभ की हैं जिनका ब्यौरा नीचे दिया गया हैः-

i. 50 से अधिक सौर पार्कों और 40,000 मेगावाट से अधिक की सौर विद्युत परियोजनाओं की संस्थापना के लक्ष्य से अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं की संस्थापना करने के लिए सौर पार्क योजना।
ii. केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) और भारत सरकार के संगठनों द्वारा व्यवहार्यता अंतराल निधिकरण (वीजीएफ) की सहायता से 1000 मेगावाट क्षमता की ग्रिड संबद्ध सौर पीवी विद्युत परियोजनाओं की संस्थापना करने हेतु योजना।
iii. रक्षा प्रतिष्ठानों और अर्ध-सैनिक बलों द्वारा वीजीएफ की सहायता से 300 मेगावाट की ग्रिड संबद्ध सौर पीवी विद्युत परियोजनाओं की संस्थापना करने हेतु योजना।
iv. नहरों के किनारे और नहरों के ऊपर ग्रिड संबद्ध सौर पीवी विद्युत संयंत्रों के विकास हेतु प्रायोगिक एवं निदर्शन परियोजनाएं।
v. बंडलिंग योजना – एनटीपीसी लि./एनवीवीएन के माध्यम से 15,000 मेगावाट के ग्रिड संबद्ध सौर पीवी विद्युत संयंत्र।
vi. सेकी के माध्यम से 2,000 मेगावाट की ग्रिड संबद्ध सौर पीवी विद्युत परियोजनाओं की संस्थापना करने के लिए वीजीएफ योजना।

vii. सेकी के माध्यम से 5,000 मेगावाट की ग्रिड संबद्ध सौर पीवी विद्युत परियोजनाओं की संस्थापना करने के लिए वीजीएफ योजना।

viii. ग्रिड संबद्ध सौर रूफटॉप विद्युत संयंत्रों की संस्थापना।

ix. ऑफ ग्रिड सौर पीवी योजना।

x. किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (कुसुम)।

उपरोक्त योजनाओं के आधार पर राजस्थान में अभी तक 3247 मेगावाट क्षमता की ग्राउंड माउंटेड सौर विद्युत और 128 मेगावाट क्षमता की रूफटॉप सौर विद्युत की संस्थापना की गई है।

(ख) और (ग): सरकार ने आम जनता के लिए घरों में सौर ऊर्जा आधारित विद्युत के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2022 तक रूफटॉप सौर परियोजनाओं से 40,000 मेगावाट की संचयी क्षमता प्राप्त करने के लिए ग्रिड संबद्ध रूफटॉप सौर कार्यक्रम के चरण-II को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। इस योजना के अंतर्गत आवासीय क्षेत्र में 3 किलोवाट क्षमता तक की रूफटॉप प्रणालियों के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता 40 प्रतिशत तथा 3 किलोवाट से अधिक और 10 किलोवाट तक 20 प्रतिशत है, जो बेंचमार्क लागत अथवा निविदा लागत, दोनों में से जो भी कम हो, के आधार पर है।

****